।। ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात् ।।
sri guru goutamaya namh
।। अक्षपाद महर्षि गौतम ।।
गुर्जरगौड़ ब्राह्मण अवटंक-खांप-वेद-कुलदेवी-शाखा-सूत्र

★जयतिर्महर्षि गौतमाय नमः★

|| गुर्जरगौड़ ब्राह्मण एक परिचय ||

सृष्टिकर्ता ब्रह्मा के मरीचि, अत्रि, अंगीरा, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु, भृगु, वशिष्ठ, दक्ष, नारद ये दस पुत्र हुए। इनका जन्म गौड़ देश में हुआ। इनके पुत्र कृपाचार्य हुए। गुर्जरदेश के राजा चक्रवर्ती गुर्जरकर्ण ने महर्षि गौतम को आराध्य माना।

एक बार भ्रमण करते करते गुर्जरकर्ण जनकराय के प्रदेश में प्रविष्ठ हुए। वहां पर सिंह तथा मृग एक साथ विचरण कर रहे थे, लताएं पुष्पों से एवं अनेक पेड़ फलों से लदे खड़े थे। उस प्रांत को देखकर राजा को आश्चर्य हुआ कि हो न हो यह किसी ऋषि का आश्रम है। ब्राह्मणों से पूछने पर ब्राह्मणों ने उत्तर दिया कि राजन! जिस स्थान पर आप खड़े हैं वह स्थान ब्रह्मऋषियों में श्रेष्ठ तपश्चर्या के भंडार श्री महर्षि गौतमजी का आश्रम है। यह सुनकर विलास वैभव की सब सामग्री आश्रम के बाहर छोड़कर राजा ऋषिवर के दर्शनार्थ आश्रम में पहुंचा। वहां देखा, वत्स, गौतम(ये अन्य है), शाण्डिल्य, गर्ग, मुदगल, कश्यप, भारद्वाज, वशिष्ठ, औशनस, अत्रि, पाराशर और कौशिक समस्त ऋषि कुमार न्याय शास्त्र का अध्ययन कर रहे हैं एवं विद्वान तपस्वी श्रीमद गौतमऋषि विराजमान हैं। राजा ने ऋषि के चरणों में गिरकर साष्टांग दण्डवत प्रणाम किया। राजा ने कहा महर्षि! आपके दर्शनों से मेरे समस्त कल्मष दूर हो गए एवं सब मनोरथ पूर्ण से हो गए। महर्षि ने भी राजा की कुशल मंगल पूछी। राजा ने महर्षि गौतम से निवेदन किया कि ऋषिवर ! मेरे राज्य में प्रजा अन्न जल के अभाव में कष्ठ उठा रही है कृपा कर के कोई उपाय कीजिए। इस पर गौतम ऋषि ने अपने तपोबल से उस राजा के राज्य में वृष्टि की। इस वर्षा से राजा, प्रजा समस्तजनों की श्रद्धा ऋषि में बढ़ गई और सब महर्षि की जय जय कार करने लगे।

ऋषि ने एक योजन भूमि में अनेक प्रकार के अन्न उत्पन्न किए एवं समस्त प्रजा को कह दिया कि जिसको जितनी आवश्यकता हो वह इसमें से ले जाए, वह परमात्मा सबका पालन करेगा। इस प्रकार ऋषि ने प्रजा का पालन किया। कहते हैं कि ऋषि के बढ़ते हुए यश से कुछ लोगों में द्वेष उत्पन्न हो गया, उन्होंने द्वेष वश ऋषि पर अनेक प्रकार के दोषारोपण किए। इन आरोपों से संतप्त होकर ऋषि पुन: तीर्थाटन के लिए रवाना हो गए। घूमते घूमते वो शिव क्षेत्र में पहुंच गए। वहां आकर ऋषिराज ने स्नान किया एवं वहीं निवास करके शिवजी की तपस्या करने लगे। वहीं पर ऋषि ने एक प्रेत उद्धार किया। उस तीर्थ स्थल पर ऋषि ने सात दिन तक एक पांव के अंगूठे पर खड़े होकर तपस्या की। भगवान शिव व पावर्ती ने उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर दर्शन दिए। ऋषि ने भगवत भक्ति एवं भगवत भक्तों का संग बना रहने का वरदान मांगा।

एक वर्ष की तपस्या के पश्चात ऋषि वापस पुष्कर (राजस्थान) आए। राजा ने उनका स्वागत किया।

एक दिन अवसर देखकर राजा ने ऋषि से निवेदन किया कि महाराज! मेरे कोई संतान नहीं होने के कारण में पितृ ऋण से दुःखी हूँ प्रभो! आप हमारे लिए पुत्रेष्टि यज्ञ । इस प्रकार महर्षि ने पुत्रेष्टि यज्ञ कीजिए । गौतम स्वयं आचार्य बने, उनके शिष्यों में से कोई ब्रह्मा कोई ऋत्विक कोई होता उपदेशिष्टा आदि याज्ञिक बने। पुत्रों में से कोई वरण और कोई यज्ञ के उपस्कृत्य में नियत हुए, बाकी कुल ब्राह्मण भूयसी दक्षिणा के अधिकारी हुए। यज्ञ की समाप्ति पर यज्ञ कुंड से अग्निदेव हाथ में पायस का पात्र लिए प्रकट हुए। रानी को भोजन के साथ पायस दिया गया एवं इस प्रकार रानी गर्भवती हुई। तदनन्तर राजा ने महर्षि के कुलगुरु बनने हेतु निवेदन किया इस प्रकार गौतम ऋषि ने उत्तर दिया कि मेरे ये शिष्य 12 एवं 156 पुत्र तुम्हारे यहां रहेंगे। इन्हें ही तुम कुलगुरु और पुरोहित आदि मानो। इतना कह महर्षि स्वयं माता अहिल्या के साथ तपोवन में लौट गए। गौतम के शेष 12 शिष्य इनके 156 पुत्रों के गुरु हुए। गौतमजी के ये पुत्र जिन-जिन ऋषि पुत्रों के पास पढ़े उन शिष्यों को उन्हीं ऋषि के नाम से गौत्र हुआ और गुर्जरदेश में बसकर गुर्जरदेश के राजा गुर्जरकर्ण के पूज्य हुए अत: गुर्जरगौड़ ब्राह्मण कहलाये। आदि में ये गौतम जी के पुत्र हैं अत: गौड़ नाम पाया तथा गुर्जर देश में रहने से गुर्जर कहलाए। इस प्रकार गुर्जरगौड़ नाम से जाति का नामकरण हुआ।

राजा गुर्जरकर्ण ने एक-एक गौतम पुत्र को एक-एक गांव दिया, जिस जिस पुत्र को जिस जिस नाम का गांव मिला उसी नाम का उनका आवंटक हो गया। अर्थात उपगोत्र बना। जो शुक्ल यजुर्वेदीय थे उनका दाजसनेयी, माध्यंदिनी और साम वेदियों और कौथुमी शाखा हुई और कृष्ण यजुर्वीयों की तैतरीय शाखा हुई। गौतम ऋषि के 12 शिष्यों के नाम पर ही उनके शिष्यों के गौत्र हुए उनका जो वेद शाखा थी वही शाखा शिष्यों की हुई गुर्जरगौड़ वंश के प्रवर्तक अक्ष्यपाद महर्षि गौतम हुवे । उन 12 शिष्यों ने गणपति के जिस नाम स्वरूप का स्मरण करवाकर विद्यारम्भ करवाया वही गणपति उसी गौत्रवालों के कुल गणेश जी मान्य हो गऐ जैसे वत्स ने एकदंत, औशनस ने भालचंद्र, अत्रि ने मूषकवाहन, गर्ग ने गजानन, कश्यप ने हे रम्ब! पराशर ने सिद्धिईश, कौशिक ने ढूंढिराज, मुदगल ने सुमुख, गौतम ने शिवसुत, भारद्वाज ने विनायक, वशिष्ठ ने विघ्ननायक, शाण्डिल्य ने गणराज, इन नामों का स्मरण कराके वेदारम्भ करवाया इस कारण उक्त गणपति उक्त गौत्र वालें के मान्य हो गए।

गुर्जरगौड़ समाज में 9 उपनाम, 8 प्रचलित नाम, 84 शासन, 72 आनासन (छोड़) तथा 12 गौत्र प्रचलित हैं।

संग्रह शोधकर्ता

बालशुक पं.श्रीराधे जी जोशी बीकानेर|

क. सं.	अवटंक	खांप	वेद	शाखा	गोत्र	कुलदेवी	सुत्र	
1.	अदरूपा	व्यास	सामवेद	कौथूमी	कश्यप	जागेश्वरी	गोभिल	छोंड़
2.	अदरोज्या	व्यास	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	ओशनस	"	कात्यान	"
3	आछर मरूआ ईछर मरूआ	जोशी	"	"	अत्रि	शारदा , ईश्वरी	"	"
4.	आमद्या , अमेद्या	"	"	"	गर्ग	अम्बिका		"
5.	आमल्या	जोशी दुबे व्यास		"	कश्यप	जाखण कीटज खींवज कूलम जी	सासन	
6.	अहुंवा,हांउवा	तिवाड़ी , जोशी		"	ओसनस	अमवाय	"	छो
7.	आजसरयां ,ओसरयां उजसरिया	"	सामवेद	कोथूमी	कश्यप	आशापुरी	गोभिल	
8.	ओसरवाल, उसरवाल	"	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	गर्ग	आशापुरी जाखण	कात्यायन	"
9.	आंकथड्या	जोशी	"	"	अत्रि	पटवासन	"	सासन
10.	आंचरोद्या लाछूवाल लछीवाल	"	"	"	वशिष्ठ	आशापूरी	"	"
11.	आंकोड्या	जोशी, तिवाड़ी	"	"	कश्यप	आशापूरी	"	"
12.	आंतरया आंतड्या	जोशी, व्यास	"	"	गौतम	आनन्दी, आसघटेश्वरी	"	"
13.	उमटाण्या	जोशी, आचार्य	"	"	"	चामुण्डा	"	छोड़

क्र. सं.	अवटंक	खांप	वेद	शाखा	गोत्र	कुलदेवी	सुत्र	
14.	कटासल्या, खटाजरा, कठातरा	उपाध्या, जोशी	"	"	कौशिक	"	"	सासन
		तिवाड़ी, दुबे	"	"				
15.	कटोरीवाल	जोशी, तिवाड़ी	"	"				
16.	कमठाण्या, कमठ्या, कुमठाण्या	"	"	"	शाण्डिल्य	हरसिद्धि, नामज	"	छोड़
17.	कराडोल्या	"	"	"	ओशनस	पिप्पलाद	"	"
18.	कलवाड्या, करवाड्या, करवाड़ा	"	"	"	कौशिक	चामुण्डा	"	सासन
19.	कलायता, कलाहिता	"	"	"	भरद्वाज	जाखण,सरोई जेसर चामुण्डा	"	"
20.	कसूंबीवाल	"	"	"	कौशिक	सिद्धेश्वरी सनेश्वरी	"	"
21.	जांचा, कागवा, कांगला, रोणीजा, थोथा	"	"		शाण्डिल्य	आनन्दी, नामज,कुलमज	"	"
22.	काचरोद्या, काचर्या काचरोन्या	व्यास,तिवाड़ी	यजुर्वेद		भरद्वाज	चामुण्डा, पिप्पलाद	"	सासन
	कंचिया	उपाध्या जोशी	"	माध्यंदिनी	पाराशर	कालिका, सुनहज	कात्यायन	छोड़
23.	कायथा, काहिता नानण्या	तिवाड़ी जोशी	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	"			
24.	कांट्या	तिवाड़ी जोशी व्यास	सामवेद	कौथूमी	कौशिक	कवाय,चामुण्डा	"	"
					वत्स	सेहर सहस्त्र भुजी बीसभुजी वृहस्पति	गोभिल	सासन
25.	कांसल्या	जोशी, व्यास	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	ओशनस	चामुण्डा, जीणा, पोहला	कात्यायन	"
26.	कुचीला	जोशी,	"	माध्यंदिनी	पाराशर	बडवासन, बडखन	"	"
27.	कुजीड्या, कंजड्या, नेतलतारा	"	"	माध्यंदिनी	अत्रि	रांयरूप, लोठण,शारदा	"	छोड़
28.	कुड़क्या	आचार्य दुबे जोशी तिवाड़ी	"	माध्यंदिनी	कौशिक	पंडुका, भुवाल, चामुण्डा	कात्यायन	सासन
29.	कुंडेरया, कुंडोरा, कुंडोल्या	जोशी	"	माध्यंदिनी	मुद्गल	मगाई, कुलमजी	"	छोड़
30.	कुरच, कुरच्या, बबूला भमोरया, भमोरियो	व्यास, जोशी, दुबे आचार्य	"	माध्यंदिनी	"	चामुण्डा, पिप्पलाद पटवासन, जीण	"	सासन
31.	केमल्या, कामल्या	जोशी, व्यास	"	माध्यंदिनी	कौशिक	आशापुरी, सुनहज	"	"
32.	खटवड़ा	जोशी, व्यास	"	माध्यंदिनी	पाराशर	ब्रह्मणी, जाखण	"	"

क्र. सं.	अवटंक	[illegible]	वेद	शाखा	गोत्र	कुलदेवी	सूत्र	
33.	खियाण्या, खेण्या, खीच्या	जोशी, व्यास	"	माध्यंदिनी	विशिष्ठ	शारदा	"	छोड़
34.	खींमसरया, कीमसरया, कीवसरया	जोशी, व्यास	सामवेद	कौथूमी	वत्स	खीवज	गोभिल	"
35.	खुंडान्या, खुरानिया,	उपाध्या जोशी	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	कौशिक	चामुण्डा सचाय आशापुरी ,शीस	कात्यायन	सासन
36.	गद्धाण्या ,गदान्या गधाण्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	मुद्गल	घटेश्वरी	कात्यायन	छोड़
37.	गालस्या,	जोशी आचार्य	यजुर्वेद	माध्यदिनी	शांडिल्य	नागन आशापुरी	कात्यायन	सासन
38.	गुंदाड्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गर्ग	जिणेश्वरी सुरसुरी	कात्यायन	छोड़
39.	गुंदाड्या गुनारड्या	तिवाड़ी जोशी व्यास	सामवेद	कौथूमी	वत्य	चामुण्डा गोगल	गोभिल	सासन
40.	गुमठाण्या,	जोशी, तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	पाराशर	दुर्गा पिप्पलाल	कात्यायन	छोड़
41.	गुंवाल गुवाल्या गोल्या धुधाल	जोशी आचार्य	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	कौशिक	गोठण आशापुरी पातीमीड़ा	कात्यायन	सासन
42.	गुहाड्या ग्याड्या गुवाड्या	जोशी तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	कौशिक	चामुण्डा. पिपलासन	कात्यायन	सासन
43.	गोवल्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	कौशिक	आशापुरी	कात्यायन	सासन
44.	गाइद्या गोयद्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	भारद्वाज	बीजली बीजासन	कात्यायन	छोड़
45.	चटाण्या	व्यास	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	भारद्वाज	बीजल चामुण्डा	कात्यायन	सासन
46.	चाडसूवा चाटसूवा	जोशी आचार्य	सामवेद	कौथूमी	वत्स	चामुण्डा	गोभिल	सासन
47.	चाप्टा	जोशी	सामवेद	कौथूमी	वत्स	चामुण्डा-	गोभिल	सासन
48.	चाहड़होटा	तिवाड़ी जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	कौशिक	चामुण्डा	कात्यायन	छोड़
49.	चुराल चुडोल्या चरोल्या चूरेल्या	जोशी	सामवेद	कौथूमी	वत्स	चामुण्डा	गोभिल	सासन
50.	चुलहट चूलैट सांखी	जोशी दुबे	सामवेद	कौथूमी	वत्स	आशापुरी कवाय कुमारिका	गोभिल	सासन
51.	छड़क्या	जोशी	सामवेद	कौथूमी	वत्स	खींवच	गोभिल	छोड़
52.	छिछावट , छिछाहोटा	तिवाड़ी	सामवेद	कौथूमी	वत्स	चामुण्डा कवाय	गोभिल	सासन
53.	जखोमा बाणारस	पंचौली तिवाड़ी	सामवेद	कौथूमी	वत्स	चामुण्डा पिंपलासन	गोभिल	सासन
54.	जाजोद्या ,जजोद्या जुजोद्या	जोशी व्यास	यजुर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	कालिका	कात्यायन	सासन
55.	जटाण्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	चामुण्डा जयश्वरी	कात्यायन	सासन
56.	जस्थूण्या , जसताण्या	जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	ओशसन	चामुण्डा कुन्ड्श्वरी		

सं.	अवटंक	खांप	वेद	शाखा	गोत्र	कुलदेवी	सुत्र
	जांगला, पीसागून्या बीसल बिरपाल, चचाणी मेघासया	उपाध्या, व्यास जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	चामुण्डा, कवाय जीण, आशापुरी, वीवी, कुलमज, खमवाव, नन्दराई हरसुखी	कात्यायन सा
58.	जाजपुरा	व्यास, जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	शांडिल्य	चूडामणि, चामुन्डा	कात्यायन सासन
59.	जीराहोल्या, गूगेण्या	जोशी; तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	कौशिक	आशापुरी, चामुन्डा	कात्यायन सासन
60.	जोदासऱ्या, हरक्या, हरज्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	ओसनस	चामून्डा, सकवाय अमबाई, नन्दवाय	कात्यायन छोड़
61.	झाडोल्या	उपाध्या, जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गर्ग	सुनहज, चंचली, सरोई	कात्यायन सासन
62.	झुँझडोद्या, जूसडोद्या	व्यास	यजुर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	आशापुरी, चामुंडा, जमवाय	कात्यासन सासन
63.	टोकऱ्या	उपाध्या जोशी व्यास	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गर्ग	पटनवास, पिपलासन	कात्यायन सासन
64.	डग्या	दुबे, तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	पाराशर	चामुन्डा, रातादेवी घटिवाल	कात्यायन सासन
65.	डाबड़्या, डाबऱ्या	दुबे, तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	अत्रि	अमवाय, नवाय डवास	कात्यायन छोड़
66.	डीडवान्या, नीनवाण्या	उपाध्या, आचार्य जोशी, तिवाड़ी	सामवेद	कौथूमी	वत्स	सिद्धेश्वरी, सिंहेश्वरी खेवज, सनेश्वरी	गोभिल सासन
67.	डोठवाड़्या, डोडवारया	व्यास	यजुर्वेद	माध्यदिनी	ओसनस	चामुण्डा	कात्यायन सासन
68.	ढमकत्या ढमकोल्या	तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	शांडिल्य	आनंदी, तेतीख	कात्यायन छोड़
69.	ढीकसरा ढींगसरा	चौबे, उपाध्याय	यजूर्वेद	माध्यदिनी	गौतम	धोलासन ,ढींकासन	कात्यायन छोड़
70.	ढांकोल्या, ढांकल्या	जोशी	सामवेद	कौमूथी	कश्यप	नागण, नानण	गोभिल सासन
71.	तडूक्या	उपाध्या,तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कौशिक	चामुंडा	कात्यायन सासन
72.	ततीक	जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कौशिक	चामुडा	कात्यायन सासन
73.	थड़ीवाल	जोशी	सामवेद	कौथूमी	कश्यप	दुर्गा , चामुण्डा	गोभिल सासन
74.	थांवल्या,थावर, थावऱ्या	जोशी दूबे	यजुर्वेद	माध्यदिनी	मुद्गल	बड़वासन,चामुंडा प्पलाद , खींवज	कात्यायन सासन
75.	दीखत	तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यंदिनी	गौतम	सिद्धेश्वरी कुलमज	कात्यायन छोड़

क्र. सं.	अवटंक	[illegible]	[illegible]	[illegible]	गोत्र	कुलदेवी	सुत्र
76.	दुगार्या	व्यास आचार्य तिवाड़ी जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	छत सहाय	कात्यायन छोड़
77.	दूद्या ,दूधवा, दूदू	जोशी, उपांध्या	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कौशिक	दूधराज, घटवासन चामुंडा, जीजण	कात्यायन सासन
78.	दुधडोल्या , दूधडोल्या	जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	चामुंडा ,ब्रह्माणी	कात्यायन सासन
79.	देयल्या	जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	रणवाय, कुलमज	कात्यायन छोड़
80.	दोवट,होटा,दोहड़, होटा	जोशी	यजूर्वे	माध्यदिनी	पराशर	दुर्गा ,	कात्यान छोड़
81.	धामोल्या ,धरोल्या	तिवाड़ी, दुबे	यजुर्वेद	माध्यदिनी	मुद्गल	धकवाय	कात्यायन सासन
82.	नगावल्या नगवास्या	जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कौशिक	बागेम्बरी	कात्यायन छोड़
83.	नरदू	जोशी	यजुर्वेद	कौथूमी	कश्यप	ज्वालामुखी	गोभिल छोड़
84.	नावरिया्	जोशी	यजूर्वेद	कौथुमी	कश्यप	ज्वालामुखी	गोभिल छोड़
85.	नारायण नाराण्या	तिवाड़ी जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	पराशर	बड़ेखन	कात्यायन सासन
86.	नरेडा , नरहडा , नरौल्या	व्यास आचार्य दूबे व्यास	यजूर्वेद	माध्यदिनी	पराशर	चामुंडा	कात्यायन छोड़
87.	नानेरा, नान्नेरा नामनेरा	व्यास आचार्य जोशी तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	नैनवाई कीटल,जलुशर जालेश्वरी चामुंडा	कात्यायन सासन
88.	नौगरय्या, नौगरा	जोशी, व्यास उपाध्या	यजुर्वेद	माध्यदिनी	ओशनस	जिण,जनकुली	कात्यायन सास
89.	नौसाल्या,नौससारया	तिवाड़ी ,व्यास	यजुर्वेद	माध्यदिनी	शांडिल्य	नैनल नैनवाई नागन	कात्यायन सास
90.	पंचारिया , पछारिया	व्यास आचार्य जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनीद	शांडिल्य	बुढण, हरसिद्धी	कात्यायन सास
91.	प्लेट,प्लेटा,प्लोट,पलहट	जोशी तिवाडी	सामवेद	कौथुमी	वत्स	खींवज ,जोधासरी	गोभिल छोड़
92.	पिपलोद्या , पिपरोधा चांवडिया, चामुंडा	आचार्य सोती व्यास जोशी तिवाड़ी उपाध्या	सामवेद	कौथुमी	वत्स	चामुंडा ,पिपलासन चुड़ासन,	गोभिल सा

क्र. सं. अवटंक	खांप	वेद	शाखा	गोत्र	कुलदेवी	सूत्र	
93. पाईवाल,	जोशी ,तिवाड़ी उपाध्या	सामवेद	कंथुमी	वत्स	ब्रह्माणी चामुंडा जाखण जोशरी	गोभिल	सासन
94.पहाडया	जोशी तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	भुआल बड़वाय भुलन रूपत बमुली बीजन	कात्यायन	सासन
95. पीजन्या	जोशी पंचौली	यजुर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	कुलमज	कात्यायन	सासन
96. पांडेता, पाढया	जोशी तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	गौत	अन्तराई	कात्यायन	छोड़
97. पांडुन्या,	व्यास	यजुर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	रणवाय ,पंडुका,भुवल	कात्यायन	सासन
98. पोपडुं द्या पोपडोद्या	आचार्य जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	आशापुरी कुलमजी	कात्यायन	सासन
99. पीपल छरवा पाणेचा	जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	पिल्लाद, जाखण	कात्यायन	छोड़
100.फोगोन्या	जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	आशापुरी	कात्यायन	छोड
101.बघेरवाल ,बगेरवाल गील घील	जोशी आचार्य 1	यजुर्वेद	माध्यदिनी	अत्रि	बडैश्वरी ,गोठण गिहल , भोवज	कात्यायन	सासन
102. बच्छ	व्यास जोशी	सामवेद	कंथूमी	वत्स	आशापुरी नागल	गोभिल	सासन
103. बजाग्या ,	व्यास जोशी	सामवेद	कंथुमी	कश्यप	रणवाय,छमवाय	गोभिल	सासन
104. बरनेला	तिवाड़ी	सामवेद	कंथुमी	कश्यप	पंडुका, भुआल,	गोभिल	सासन
105. बडेसरा	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	पाराशर	बडेखण,	कात्यायन	छोड़
106. बमोरीवाल	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गर्ग	खोंवज	कात्यायन	छोंड़
107. बड़ोंद्या बरड़ोद्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	क्षत्रि	भंडारी बड़वास	कात्यायन	सासन
108. बरड़ा,बड़ला,बंडेला बंड़ेला	तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गर्ग	भंडारी बड़वास	कात्यायन	छोड़
109. बठोवन्या,बलावन्या,बिलोवन्या	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गौतम	कीटाल नामज बागेश्वरी	कात्यायन	छोड़
110. बबेरवाल ,बवारीवाल बबेरीवाल	जोशी	सामवेद	कंथुमी	कश्यप	बड़खन भीमज	गोभिल	छोड़
111. बागदा	जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	ज्वालामुखी रणवाय	कात्यायन	छोंड़
112. बागलीडा	जोशी तिवाड़ी चौबे व्यास सोती आचार्य	यजुर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	बाघेल पटवान	कात्यायन	सासन
113. बापड़ोद्या बापरूद्या	आचार्य	यजुर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	आशापुरी	कात्यायन	सासन

क्र. सं.	अवटंक	खांप	वेद	शाखा	गोत्र	कुलदेवी	सुत्र	
114.	बारतुला,बालतुडा	आचार्य	यजूर्वेद	माध्यदिनी	अत्रि	चामुंडा	कात्यायन	छोड़
115.	बिजारंया, बिजोरंया	पंचोली तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गौतम	कीटल	कात्यायन	सासन
116.	बीलू बीलवा बोल	जोशी व्यास	यजुर्वेद	माध्यदिनी	गौतम	आशापुरी आमज नीमज	कात्यायन	छोड़
117.	बोरय् बोरा	जोशी व्यास	सामवेद	कौथुमी	कश्यप	बागेश्वरी	गोभिल	छोड़
118.	भारजवाल	दूबे चौबे	यजूर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	करही नालन नारसिंह	कात्यायन	सासन
119.	भागड़ोल्या	जोशी तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	गर्ग	मुनहज	कात्यायन	छोड़
120.	भुवाल्या भंवाल्या जाजड़ा	तिवाड़ी व्यास जोशी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	गौतम	गूंगी, गूगल भुआल	कात्यायन	सासन
121.	भोतान्या	जोंशी तिवाड़ी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	मुद्गल	आशापुरी बोलश्वरी	कात्यायन	छोंड़
122.	मटान्या	उपाध्या व्यास	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	बांरेज,बरजस सिद्धेश्वरी	कात्यायन	छोंड़
123.	मदाण्या	उपाध्या व्यास	सामवेद	कौथूमी	कश्यप	बर्जू महेश्वरी	गोभिल	छोड़
124.	मरूवा	उपाध्या व्यास	सामवेद	कौथुमी	कश्यप	मुरधर जालपा	गोभिल	छोड़
125.	मदोवरया	जोंशी	यजूर्वेद	माध्यदिनीं	गौतम	अमवाय	कात्यायन	छोड़
126.	मनवाड्या मनवड्या	आचार्य	यजुर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	अमवाय	कात्यायन	छोड़
127.	मोढ़ान्य	पंचोली जोशी उपाध्या	यजूर्वेद	[illegible]दिनी	कौशिक	अमवाय	कात्यायन	सासन
128.	ममान्य	उपाध्या व्यास तिवाड़ी	यजूर्वेद	[illegible]यदिनी	कौशिक	चामुंडा	कात्यायन	सासन
129.	रसत्वाड्या	उपाध्या जोशी	यजुर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	चामुंडा	गोभिल	छोड
130.	राजडोल्या	तिवाड़ी जोशी	सामवेद	कौथूमी	कश्यप	पाराशरी ग. तप्रतिसु	गोभिल	छोड़
131.	राजव्या राया	तिवाड़ी जोशी	सामवेद	कौथूमी	कश्यप	सचवासण	गाभिल	छोड़
132.	रेठा, रेहेठा,रहेंटा	जोशी तिवाड़ी	सामवेद	कौथुमी	वत्स	कोबेरी	गोभिल	छोड़
133.	राजोरया राजोरा	जोशी दूबे तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यदिनी	भारद्वाज	आशापुरी बूढन ज्वालामुखी	कात्यायन	सासन
134.	रीडूल्या,रिडोल्या, रडूल्या	व्यास जोशी तिवाड़ी	यजूर्वेद	माध्यंदिनी	वशिष्ठ	गोठण गं। नन	कात्यायन	छोड़
135.	रीस रौछ रीछवा	तिवाड़ी उपाध्या	यजूर्वेद	माध्यदिनी	वशिष्ठ	शारदा	कात्यायन	छोड़
136.	रेवाड, रेवाल	जोशी आचार्य	यजूर्वेद	माध्यदिनी	कश्यप	सुराई स्	कात्यायन	सासन

क्र. सं.	अवटंक	खांप	वेद	[शा]खा	गोत्र	कुलदेवी	सुत्र	
137.	राइसवाल,रोहीसवाल	जोशी	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	मुदगल	रणवाय पंवाल	कात्यायन	छोड़
138.	लदान्य लघाण्या	जोशी व्यास	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	मुदगल	जाखण	कात्यायन	छोड़
139.	लाईवाल	जोशी	यजुर्वेद	[मा]ध्यदिनी	मुदगल	जाखण	कात्यायन	सासन
140.	लाड.	आचार्य तिवाड़ी	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	भारद्वाज	चामुंडा	कात्यायन	सासन
141.	लीलछंडा नीलछंडा केथुन्या	व्यास जोशी	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	कौशिक	हिंगलाज चामुंडा	कात्यायन	छोड़
142.	लौडेल्या, लडूल्या लोहोड्या	व्यास जोशी	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	कश्यप	लबकीट लौंकड़ी	कात्यायन	सासन
143.	लोहुवा, लोवा लुवा लहवा, लोयमा	जोशी तिवाड़ी उपाध्या	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	मुदगज	छमुहांय छोर सरहज संभर	कात्यायन	सासन
144.	सरसूं सरसवा	जोशी तिवाड़ी व्यास	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	कौशिक	चामुंडा	कात्यायन	सासन
145.	सरोड्या सुरे[illegible]	जोशी	सामवेद	[कौ]थुमी	वत्स	सिद्धेश्वरी सनेसरी	गोभिल	छोड़
146.	सरोईवाल, [illegible]वाल	जोशी	सामवेद	[कौ]थूमी	कश्यप	भुलन	गोभिल	छोड़
147.	सांकवा सांकल[illegible] सांखवा संकवा	आचार्य दूबे	यजूर्वेद	[माध्]यदिनी	वशिष्ठ	आशापुरी	कात्यायन	सासन
148.	सागोत्या	जोशी	यजूर्वेद	[माध्य]दिनी	भारद्वाज	कौवाक चामुंडा	कात्यायन	सासन
149.	[illegible]जीगावा मरान्या	दूबे जोशी	सामवेद	[कौ]थुमी	कश्यप	सिद्धेश्वरी सनेसरी	गोभिल	सासन
150.	[illegible]पा	दूबे जोशी	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	शांडिल्य	कालिका	कात्यायन	छोड़
151.	सामरया सहारया	चौबे व्यास तिवाड़ी	यजूर्वेद	[मा]ध्यादिनी	कश्यप	आशापुरी	कात्यायन	छोड़
152.	सालोल्या हालोल्या	जोशी दूबे	यजूर्वेद	[मा]ध्यदिनी	मुदगज	लवाय बड़वाय सनेसरी रणवाय	कात्यायन	सासन
153.	सिरोल्या,सुराल्या,सुरल्या	जोशी व्यास उपाध्या	यजूर्वेद	[माध्]यदिनी	कश्यप	सचवाय	कात्यायन	सासन
154.	सिलोरया	जोशी व्यास	यजूर्वेद	[माध्]यदिनी	कश्यप	चामुंडा जमवाय सचवाय	कात्यायन	सासन
155.	सुलतान्या सुरतान्या	जोशी चौबे पंचोली	यजूर्वेद	[कौ]थुमी	मुदगल	आशापुरी चामुंडा	कात्यायन	सासन
156.	सुवाल सीवार सिवाल छुवार	आचार्य	यजूर्वेद	[माध्य]दिनी	मुदगल	पिपलासन आशापुरी	कात्यायन	सासन

महर्षि गौतम आरती

महर्षि गौतम :- पुराणों के अनुसार सप्तर्षियों में से एक ऋषि हैं । महर्षि गौतम की कथा पुराणों में अलग अलग रूप से मिलती हैं कंही इनको महर्षि अंगिरा के वंश में महर्षि भारद्वाज के बाद का बताया गया है तो कंही इनको ब्रह्मा जी के मानस पुत्र के रूप में बताया गया है । इनकी पत्नी अहल्या हैं ऋषि पत्नी अहल्या को भी कंही कंही ब्रह्मा जी की मानस पुत्री बताया गया है तो श्रीमद भागवत पुराण में पांचाल नरेश की पुत्री होना बताया गया है । इनके पुत्र शरद्वान से कृपी और कृपाचार्य का होना मिलता है वंही दूसरे पुत्र शतानन्द जी जो जनक जी के पुरहित थे वो भी इनके ही पुत्र बताए जाता हैं । कंही कंही पुरान्तर में श्रीहनुमान जी की माता अंजनी को भी इनकी पुत्री बतया गया है । महर्षि गौतम अक्षपाद और न्यायशास्त्र के प्रणेता हैं इनके चरण में आंख होने की भी शास्त्रो में कई तरह की कथा मिलती हैं । छाता और पद त्राण की परंपरा सबसे पहले इन्होंने ही प्रारम्भ की थी । ब्राह्मण समाज में महर्षि गौतम को गुर्जरगौड़ समाज के प्रवर्तक ऋषि माना जाता है राजा गुर्जरकर्ण के यज्ञ में महर्षि गौतम के 156 शिष्यों से गुर्जरगौड़ ब्राह्मण वंश प्रारम्भ हुआ था । अक्षपाद न्यायशास्त्र के प्रणेता महर्षि गौतम के पावन चरित्र से वेद पुराण भरे हैं । गौतम जी के सभी प्रषंग कालान्तर से सत्य है। यंहा जो भी उदारण पूज्य महर्षि गौतम जी के बारे में दिया है वो सब शास्त्र समत हैं ।

॥आरती॥

ओम जय गौतम त्राता,स्वामी जय गौतम त्राता ।
ऋषिवर पूज्य हमारे ,मुद मंगल दाता॥टेर ॐ जय गौतम...

द्विज कमल दिवाकर,परम् न्यायकारी ।
जन कल्याण करन हित, न्याय रच्यो भारी ॥१॥ॐ जय गौतम...

पिप्पलाद सूत बाहर,तुम्हें शिष्य भये ।
वेद शास्त्र दर्शन में,पूरन कुशल भये ॥२॥ॐ जय गौतम...

गुर्जर करण विनय पर,तुम पुष्कर आये ।
सभी शिष्य सूत गण को,तुम संग में लाये ॥३॥ॐ जय गौतम...

अनावृष्टि से देख्यो,संकट आय परयो ।
भगवन आप दया करि, सब को कष्ट हरयो ॥४॥ॐ जय गौतम...

पुत्र प्राप्ति के कारण,नृप के यज्ञ कियो ।
यज्ञ देव आशीष से, सुतको जनम भयो ॥५॥ॐ जय गौतम...

भूप मनोरथ पुरयो,चिंता दूर करी ।
प्रेत राज पामर की, निर्मल देह करी ॥६॥ॐ जय गौतम...

अक्षपाद गौतम की, आरती जो कोई गावे ।
ऋषि की पूर्ण कृपा से, मन वांछित फल पावे ॥७॥ॐ जय गौतम...

मुझे मेरे एक मित्र ने बहुत पुरानी पत्री से महर्षि गौतम जी की आरती दी थी पर आरती के रचयता कोन हैं पता नहीं है फिर भी हम सब उन महान महर्षि गौतम जी के आरती प्रणेता भक्त कवि के आभारी हैं जिन्होंने हमे इतनी सुंदर शब्दावली में आरती दी है पुनः आप सब !का साधु वाद !